PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Buddha Mile Gaya (1971)
Year: 1971

Song: Raatkali Ek Khwab Mein Aai
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

हूँ हूँ ...
रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

सुबह को जब हम
नींद से जागे
आँख तुम्हीं से चार हुई

रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

चाहे कहो इसे
मेरी मोहब्बत
चाहे हँसी में उड़ा दो
ये क्या हुआ मुझे
मुझको ख़बर नहीं
हो सके तुम ही बता दो

चाहे कहो इसे
मेरी मोहब्बत
चाहे हँसी में उड़ा दो
ये क्या हुआ मुझे
मुझको ख़बर नहीं
हो सके तुम ही बता दो

तुमने क़दम तो
रखा ज़मीं पर
सीने में क्यों झंकार हुई

रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

आँखों में काजल
और लटों में
काली घटा का बसेरा
साँवली सूरत
मोहनी मूरत
सावन रुत का सवेरा

जबसे ये मुखड़ा
दिल में खिला है
दुनिया मेरी गुलज़ार हुई

रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

यूँ तो हसीनों के
माहजबीनों के
होते हैं रोज़ नज़ारे
पर उन्हें देखके

देखा है जब तुम्हें
तुम लगे और भी प्यारे

यूँ तो हसीनों के
माहजबीनों के
होते हैं रोज़ नज़ारे
पर उन्हें देखके
देखा है जब तुम्हें
तुम लगे और भी प्यारे

बाँहों में ले लूँ
ऐसी तमन्ना

एक नहीं कई बार हुई
रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

सुबह को जब हम
नींद से जागे
आँख उन्हीं से चार हुई

रात कली
एक ख़्वाब में आई
और गले का हार हुई

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.